Bharat Petroleum
M/s. SHANTA SERVICE STATION
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

दैनिक धनुषधारी

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी
वर्ष-33, अंक 157, उल्हासनगर, शुक्रवार 29 मई 2026 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

ट्रस्टी जयकुमार जेसवानी की मनमानी कार्यशैली से विवादों में घिरी पवित्र गौशाला

गायों की दयनीय हालत पर फूटा सेवाधारियों का गुस्सा

उल्हासनगर(नि.स)। जिस गौशाला को शहर में दशकों से आस्था, सेवा और गौसंरक्षण का केंद्र माना जाता रहा, वही स्थान अब कुछ गिने-चुने ट्रस्टियों और प्रबंधन से जुड़े विवादों के कारण गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। दशकों से जहां श्रद्धालु और सेवाधारी निस्वार्थ भाव से गौसेवा करते आ रहे थे, वहीं अब उसी पवित्र स्थान पर गायों की बदहाल स्थिति, अव्यवस्था और लापरवाही को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

उल्हासनगर कैंप 5 स्थित श्री राधेश्याम गौशाला में कुछ गायों की बेहद खराब स्थिति सामने आने के बाद शहर में भारी आक्रोश फैल गया है। गौसेवा और संरक्षण के आधार पर संचालित होने वाली इस गौशाला में करीब 300 गायों के बीमार, कुपोषित और उपेक्षित हालत में रहने का आरोप सेवाधारियों ने लगाए है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नाराज सेवाधारियों ने सीधे पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार, गौशाला का दौरा करने पहुंचे सेवाधारियों ने वहां कई चौंकाने वाली स्थितियां देखीं। उनका आरोप है कि गोशाला में केवल कुछ चुनिंदा गायों की ही ठीक से देखभाल की जा रही है, जबकि अधिकांश गायें बीमार, कमजोर और गंदगी में रहने को मजबूर हैं। कई गायों को समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। सेवाधारियों ने यह भी आरोप लगाया कि गोशाला में मरने वाली गायों के शवों का तुरंत अंतिम संस्कार नहीं किया जाता। मृत गायों के शव कई घंटों तक परिसर में ही पड़े रहते हैं, जिससे आसपास दुर्गंध फैल जाती है।

इस मामले में गौशाला के मुख्य सेवाधारी और ट्रस्टी जय जेसवानी पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि गौशाला का पूरा संचालन मनमाने तरीके से किया जा रहा है और विरोध करने वालों को पुलिस कार्रवाई की धमकी दी जाती है।

साथ ही, दान में मिलने वाले चारे की बिक्री किए जाने का भी संदेह व्यक्त किया गया है। गौशाला में मौजूद गायों, बछड़ों और बैलों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक नहीं किए जाने से आर्थिक लेनदेन और प्रबंधन को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सेवाधारियों का कहना है कि यह केवल गायों की दुर्दशा का मामला नहीं, बल्कि उस आस्था और विश्वास पर भी सवाल है, जिसके सहारे दशकों से लोग इस गौशाला से जुड़े रहे। उनका आरोप है कि कुछ लोगों की मनमानी और कथित लापरवाही के कारण गोसेवा जैसे पवित्र कार्य और इतने बड़े ट्रस्ट की छवि धूमिल हो रही है। सेवाधारियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से पूरे मामले की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में परिमंडल चार के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने कहा है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित जांच की जाएगी और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गौमाता को मिर्च खिलाने का वीडियो वायरल, सेवाधारियों में भारी आक्रोश

इसी बीच हाल ही में एक और संवेदनशील मामला सामने आया है, जिसने सेवाधारियों और श्रद्धालुओं की चिंता को और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कथित रूप से गौमाता को मिर्च खिलाए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर सेवाधारियों में भारी रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि यह बेहद अमानवीय और असहनीय कृत्य है, जिसकी निष्पक्ष और सख्त जांच होनी चाहिए। सेवाधारियों ने मांग की है कि गोशाला परिसर के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच कर यह पता लगाया जाए कि आखिर यह हरकत किसने की। साथ ही यह भी जांच हो कि यह कृत्य किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा किया गया या फिर गोशाला के अंदर मौजूद किसी व्यक्ति की भूमिका इसमें शामिल है। उनका कहना है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

ठाणे जिले में गहराया पानी संकट,बारवी बांध में बचा मात्र 32 प्रतिशत पानी

ठाणे(नि.स)। ठाणे जिले के बदलापुर स्थित बारवी बांध के जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। वर्तमान में बांध में केवल 32.31 प्रतिशत पानी ही शेष बचा है। मानसून पूर्व बारिश नहीं होने और भीषण गर्मी के कारण जलसंकट गहराने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन के अनुसार, बांध में उपलब्ध पानी का उपयोग जून के अंत तक या मानसून शुरू होने तक बेहद सावधानी से करना होगा। एमआईडीसी और सिंचाई विभाग को पानी वितरण का विशेष नियोजन करना पड़ रहा है। 25 मई 2026 के आंकड़ों के मुताबिक बारवी बांध का जलस्तर 60.79 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि बांध में 109.51 दलघमी यानी 32.31 प्रतिशत उपयोगी जलसंग्रह उपलब्ध है। पिछले वर्ष इसी समय बांध का जलस्तर 60.88 मीटर था और 110.70 दलघमी यानी 32.67 प्रतिशत पानी उपलब्ध था। इस वर्ष जलसंग्रह में हल्की लेकिन चिंताजनक कमी देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम में बदलाव इसकी मुख्य वजह है। पिछले साल 13 मई से ही प्री-मानसून बारिश शुरू हो गई थी, जिससे बांध में नए पानी की आवक होने लगी थी और बादलों के कारण बाष्पीकरण भी कम हुआ था। लेकिन इस बार मई समाप्त होने को है और अब तक बारिश नहीं हुई है। तेज धूप और बढ़ते

तापमान के कारण बांध का पानी तेजी से वाष्पित हो रहा है। अगर अगले कुछ हफ्तों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो ठाणे जिले में पानी की गंभीर किल्लत हो सकती है। प्रशासन ने भविष्य में पानी कटौती की संभावना भी जताई है। आपको बता दें कि बारवी बांध से ठाणे जिले के अंबरनाथ,बदलापुर, उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली, मीरा-भाईंदर, भिवंडी और ठाणे शहर के क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा कई औद्योगिक क्षेत्रों को भी इसी बांध से पानी दिया जाता है। पानी की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है, ताकि आने वाले दिनों में संभावित जलसंकट से निपटा जा सके।

महाराष्ट्र में 11वीं एडमिशन की पहली मेरिट लिस्ट आज, लाखों छात्रों की नजरें कॉलेज अलॉटमेंट पर टिकीं

मुंबई। महाराष्ट्र में कक्षा 11वीं यानी फर्स्ट ईयर जूनियर कॉलेज (FYJC) में प्रवेश का इंतजार कर रहे लाखों छात्रों और अभिभावकों के लिए शुक्रवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने घोषणा की है कि 11वीं प्रवेश प्रक्रिया की पहली अलॉटमेंट और मेरिट लिस्ट शुक्रवार सुबह 11 बजे आधिकारिक पोर्टल पर जारी की जाएगी। इसके साथ ही राज्यभर के छात्र यह जान सकेंगे कि उन्हें किस जूनियर कॉलेज में प्रवेश मिला है। लंबे समय से चल रही ऑनलाइन प्रक्रिया के बाद अब छात्रों के बीच उत्सुकता और तनाव दोनों बढ़ गए हैं। इस वर्ष राज्य में 11वीं प्रवेश प्रक्रिया के लिए रिकॉर्ड स्तर पर पंजीकरण देखने को मिला है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 12,51,294 छात्रों ने प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें से 9,08,404 छात्रों ने अपने आवेदन पूरी तरह लॉक कर अंतिम रूप दे दिया है।

महासभा में हंगामें के बाद महानगरपालिका एक्शन मोड में

हाथगाड़ियां जब्त, नो-फेरीवाले क्षेत्र से हटाया गया अतिक्रमण

उल्हासनगर(नि.स)। उल्हासनगर शहर में लगातार बढ़ते अतिक्रमण और उससे पैदा हो रही ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर आखिरकार प्रशासन सख्त हो गया है। महानगरपालिका की महासभा में इस मुद्दे पर जोरदार हंगामे और तीखी चर्चा के बाद प्रशासन एक्शन मोड में दिखाई दिया। प्रभाग समिति क्रमांक 3 के अंतर्गत बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया, जिससे अवैध कब्जाधारकों और फेरीवालों में हड़कंप मच गया। मनपा प्रशासन द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का नेतृत्व प्रभाग समिति 3 की सहायक आयुक्त एवं प्रभाग अधिकारी सलोनी निमकर ने किया। यह कार्रवाई कैंप नंबर 3 के ओ.टी. सेक्शन तथा संतोषनगर इलाके में की गई। अभियान के दौरान फुटपाथों और

सड़कों पर अवैध रूप से खड़ी की गई कई हाथगाड़ियों को जब्त किया गया, जबकि कई जगहों से अतिक्रमण हटाकर रास्तों को खाली कराया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानों पर विरोध और अफरा-तफरी का माहौल भी देखने को मिला, लेकिन भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच प्रशासन ने अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने साफ किया कि नो-फेरीवाले क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों की ओर से लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि अवैध हाथगाड़ियों, फुटपाथों पर कब्जों और सड़कों पर फैलते अतिक्रमणों के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। लोगों को रोजाना घंटों ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा था। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में हुई महासभा में जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को जमकर घेरा था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। प्रभाग अधिकारी सलोनी निमकर ने बताया कि यह अभियान नियमों के तहत चलाया गया है और आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि शहर में फेरीवालों की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महापालिका "एक घर- एक गाड़ी" योजना पर विचार कर रही है। इस योजना के तहत पात्र फेरीवालों का दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण किया जाएगा और उन्हें अधिकृत नंबर जारी किए जाएंगे। प्रशासन का मानना है कि इससे अवैध हाथगाड़ियों पर नियंत्रण लगाने, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

उमनपा में फिर घोटाले की खुली पोल

चुनाव सामग्री खरीद में घोटाला, लाखों रुपये की अनियमितता का आरोप

उल्हासनगर(नि.स)। विगत कई वर्षों से उल्हासनगर महानगरपालिका घोटाला और भ्रष्टाचार का दंश झेल रही है। अब उल्हासनगर महानगरपालिका में चुनाव सामग्री की खरीद को लेकर बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सामग्री की खरीद में भारी वित्तीय अनियमितताएं की गईं और बाद में कई सामानों का रिकॉर्ड भी गायब कर दिया गया। इस खुलासे के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, मनपा के चुनाव विभाग द्वारा चुनाव के समय कंप्यूटर, कैमरे, टेबल-कुर्सियां, स्टेशनरी, पानी की बोतलें तथा अन्य जरूरी सामान खरीदे गए थे। आरोप है कि इन वस्तुओं की खरीद बाजार मूल्य से कहीं अधिक दरों पर की गई। इतना ही नहीं, चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद खरीदे गए सामान का सही हिसाब-किताब भी उपलब्ध नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उनसे पूछा गया है कि खरीदे गए सामान का उपयोग कहां हुआ, उसका निपटान किस प्रकार किया गया तथा वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता क्यों नहीं रखी गई।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव विभाग के खर्चों का नियमित ऑडिट नहीं होने का फायदा उठाकर कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने नियमों की अनदेखी की। इस दौरान लाखों रुपये के गबन की आशंका भी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामग्री को मनपा के गोदामों में जमा किया जाना था, लेकिन कई वस्तुओं का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला। इससे संदेह और गहरा गया है। कमिश्नर मनीषा आव्हाले के संज्ञान में मामला आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। संबंधित विभागों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के सामने आने के बाद मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पदभार सँभालते ही एक्शन मूड में आए तुकाराम मुंढे

ठाणे में एफडीए की कार्रवाई में 7 लाख से अधिक का संदिग्ध खाद्य सामान जब्त

ठाणे(नि.स)। ठाणे जिले में अन्न एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने आयुक्त तुकाराम मुंढे के मार्गदर्शन में 27 मई को विशेष अभियान चलाते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून का उल्लंघन करने वाले कई खाद्य कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर लाखों रुपये का संदिग्ध खाद्य सामान जब्त किया गया। एफडीए अधिकारियों ने जांच के दौरान कुल 7 लाख 30 हजार रुपये से अधिक मूल्य का संदिग्ध खाद्य स्टॉक जब्त किया। जब्त किए गए सामान में 1 लाख 49 हजार 724 रुपये का खाद्य तेल, 93 हजार 830 रुपये का फरसाण, 2 लाख 6 हजार 800 रुपये का घी, 8 हजार 190 रुपये के हक्का नूडल्स, 17 हजार 100 रुपये की ताड़ी, 54 हजार 96 रुपये का शरबत तथा 1 लाख 97 हजार 640 रुपये मूल्य का डिंक (गम अरेबिक) शामिल है। इसके अलावा, प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 4 लाख 53 हजार 344 रुपये का सामान भी जब्त किया गया है। एफडीए प्रशासन ने सभी खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। साथ ही नागरिकों से भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है। यदि किसी को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संबंधी शिकायत हो तो वे प्रशासन के टोल फ्री नंबर 1800222365 पर संपर्क कर सकते हैं या वागले एस्टेट, ठाणे स्थित सह आयुक्त कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आयुक्त तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में इस प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

उल्हासनगर में 66 हजार रुपये का गांजा बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

उल्हासनगर(नि.स)। उल्हासनगर शहर में विठ्ठलवाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध धंधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपराध शाखा को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने उल्हासनगर-4 स्थित आदर्श नगर इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 3 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत 66 हजार 200 रुपये बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गुन्हे शोध पथक के पुलिस उपनिरीक्षक दराडे और उनकी टीम को अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसी दौरान बुधवार दोपहर करीब 2.20 बजे पुलिस टीम उल्हासनगर रेलवे स्टेशन स्काय वॉक के नीचे, आदर्श नगर परिसर में गश्त कर रही थी। तभी एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने तुरंत उसे पकड़ लिया और पूछताछ की। युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। उसके हाथ में मौजूद बैग की तलाशी लेने पर उसमें हरे रंग का गांजा मिला। मामले की जानकारी तत्काल पुलिस निरीक्षक (अपराध) चंद्रहार गोडसे को दी गई। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और दो पंचों की मौजूदगी में पंचनामा किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रवींद्र शेंगदाणे निवासी मिलिंद नगर बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से 3 किलो 300 ग्राम गांजा जब्त कर लिया। आरोपी के खिलाफ विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक (अपराध) चंद्रहार गोडसे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक दराडे, एएसआई मिसाल, पुलिस हवलदार चव्हाण, सांगले, पुलिस सिपाही मोरे, गायकवाड तथा राठोड की टीम ने संयुक्त रूप से की।

महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई

मुंबई/पुणे। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 40 उम्मीदवारों को अगले तीन वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया है। यह कार्रवाई उन उम्मीदवारों के खिलाफ की गई है जिन्होंने तय समय सीमा के भीतर अपने चुनावी खर्च का पूरा ब्यौरा जमा नहीं किया। आयोग की इस सख्त कार्रवाई के बाद राज्य की राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में व्यापक चर्चा शुरू हो गई है।

विभागीय आयुक्त शीतल तेलीउगले द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 26 मई 2026 से लागू इस निर्णय के तहत संबंधित उम्मीदवार अगले तीन वर्षों तक किसी भी स्थानीय निकाय या अन्य चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगे। निर्वाचन आयोग का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और उम्मीदवारों की वित्तीय जवाबदेही तय करने के लिए यह कदम आवश्यक था। कार्रवाई की जद में आए उम्मीदवारों में सबसे अधिक संख्या पुणे महानगरपालिका चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की है। आयोग के अनुसार पुणे महानगरपालिका के 22 उम्मीदवार, पंढरपुर नगर परिषद के 15 उम्मीदवार और अक्कलकोट नगर परिषद के 3 उम्मीदवार इस कार्रवाई से प्रभावित हुए हैं। अयोग्य घोषित उम्मीदवारों की सूची संबंधित जिलाधिकारी कार्यालयों और स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के कार्यालयों में उपलब्ध कराई गई है, ताकि आम नागरिक भी इसकी जानकारी प्राप्त कर सकें। राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान सभी उम्मीदवारों के लिए चुनावी खर्च का पूरा और सही विवरण देना कानूनन अनिवार्य है। आयोग के निर्देशों के मुताबिक पुणे विभाग की 60 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर 2025 को आयोजित किए गए थे, जबकि छह महानगरपालिकाओं के चुनाव 14 जनवरी 2026 को हुए थे।

संपादकीय

अडाणी को क्लीनचिट के मायने!

भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी को अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा उन पर लगे आर्थिक घोटालों के आरोपों के बाद हुई 'वित्तीय डील' के पश्चात मिली क्लीन चिट को लेकर नई बहस छिड़ गई है। बताया जाता है कि गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी ने अमेरिका में चल रहे मुकदमे को निपटाने के लिए संयुक्त रूप से 1.80 करोड़ डॉलर का जुर्माना देने पर सहमति दी थी। इसके बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने सारे अडाणियों पर लगे सारे आपराधिक आरोप वापस ले लिए हैं। साथ ही न्यूयॉर्क में चल रहा हाई-प्रोफ़ाइल सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड मामला पूरी तरह बंद हो गया है। गौरतलब है कि अमेरिका के सिक्योरिटीज रेगुलेटर (नियामक) ने 2024 को दायर मुकदमे में अडाणी परिवार पर निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने का आरोप लगाया था। इसके मुताबिक अडाणी परिवार ने इस तरीके से अमेरिकी निवेशकों से लगभग 17.5 करोड़ डॉलर समेत 75 करोड़ डॉलर की रकम जुटाई थी। हालांकि अदानी समूह ने इन आरोपों को 'बेबुनियाद' करार दिया। उधर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने एक बयान में पुष्टि की कि ऑफ़िस ऑफ़ फ़ॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफ़एसी) ने अडाणी एंटरप्राइज़ेज़ लि. (एईएल) के साथ 27 करोड़ 50 लाख डॉलर के समझौते की घोषणा की है। इस समझौते पर 14 मई 2026 को हस्ताक्षर हुए थे। एईएल ने, ओएफ़एसी के ईरान प्रतिबंधों के 32 संभावित सिविल उल्लंघनों को लेकर अपनी ज़िम्मेदारी के निपटारे पर सहमति जताई। अदालत में दायर दस्तावेज में अमेरिकी न्याय विभाग ने अदानी परिवार पर आरोपपत्र को स्थायी रूप से ख़ारिज़ करने की मांग की है। यह मामला दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। यह फैसला उस मामले में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिसने अदानी समूह की वैश्विक विस्तार योजनाओं पर असर डालने की आशंका पैदा कर दी थी। इस फैसले के बाद अडाणी समूह का मार्केट कैप एकदम 7 लाख करोड़ रू.बढ़ गया। जहां तक भारत की बात है तो अडाणी को गुजराती होने के कारण प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी का करीबी माना जाता है। यही कारण है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अडाणी पर लगातार हमले करते रहे हैं। लेकिन अब अडाणी को क्लीनचिट मिलने के बाद उनका यह अस्त्र भी बेकार हो गया लगता है, जैसे कि राफेल डील मामले में लगाए आरोपों के कारण हुआ था। आश्चर्य नहीं कि इस फैसले के बाद अडाणी राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दें। हालांकि जो डील हुई है, उसमें खुद अडाणी ने उन पर लगे आरोपों को खारिज नहीं किया है। वैसे इस डील के बाद राहुल गांधी ने इस मामले में पीएम मोदी को लपेटा है कि उन्हीं के चलते अडाणी की यह डील संभव हुई है। इसका अर्थ यही है कि राहुल को अमेरिकी न्याय व्यवस्था का पूरा ज्ञान नहीं है। क्योंकि सिर्फ मोदी के कहने अथवा दबाव डालने पर ऐसी कोई डील संभव होती तो भारत के बहुत से मसले ऐसे हैं, जिनमें अमेरिका को समझौता कर लेना चाहिए। अर्थात् अडाणी कोई दूध के धुले नहीं हैं, लेकिन राहुल गांधी को ऐसे गंभीर आरोप लगाने से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए। वरना ज्यादातर मामलों में उन्हें कोर्ट में माफी ही मांगनी पड़ी है। इससे उनकी सुधरती राजनीतिक छवि को झटका लगता है। भले ही वो खुद इससे बेफिकर दिखने का संदेश देने की कोशिश करें। इसमें संदेह नहीं कि अडाणी को निशाना बनाने के पीछे राहुल के वामपंथी सलाहकार ज्यादा थे। जबकि राहुल यह काम किसी छोटे नेता से भी करा सकते थे। खुद उनकी पार्टी में अडाणी को टारगेट करने को लेकर एक राय नहीं थी। अलबत्ता अडाणी केस इस बात का प्रमाण है कि अगर आपके पास है तो आप सब कुछ कर सकते हैं।

संपादक,टीकम लालवानी

वेनेजुएला के बाद क्या क्यूबा की बारी है

अमेरिका की आँखों में मिर्ची सा लगता है हवाना के सिगार का धुआँ"(लंबी कविता 'बीसवीं सदी इक्कीसवीं सदी से')

यह आज की बात नहीं है, बल्कि बीती कई दहाइयों से अमेरिका के लिये बुकनी सा कष्टप्रद यह सिलसिला जारी है। दरअसल यह तकलीफदेह क्रम सन् 1959 में फिदेल कास्त्रो के कू-दे-ता के जरिये सत्ता में आने के ऐन दिन से शुरू हो गया था। फिदेल को अपदस्थ करने अथवा मारने की सीआईए की सारी कोशिशें विफल रहीं। अमेरिका उनकी मुश्कें नहीं कस सका। उलटे फिदेल वैश्विक नेता के तौर पर उभरते गये और उन्होंने दुनिया भर के मुक्तिकामी जनों को आकर्षित किया। श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत और क्यूबा के संबंधों को नयी ऊंचाई और सान्द्रता मिली। शीतयुद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद क्यूबा को मुसीबतों से दो-चार होना पड़ा। रही सही कसर अमेरिका की आर्थिक पाबंदियों ने पूरी कर दी।

डॉ. सुधीर सक्सेना

जारी वर्ष के प्रारंभ में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के निर्लज्ज अपहरण से अनेक छोटे और निर्बल राष्ट्र सकते में आ गये। यूं तो 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के अभीष्ट की पूर्ति के लिये ही अमेरिका ने इस्रायल के सहयोग से 28 फरवरी को ईरान पर धावा बोला था और उसे अली खामेनेई समेत अनेक बड़े ईरानी नेताओं को मारने में कामयाबी भी मिली, अलबत्ता उसकी मंशा पूरी नहीं हुई। अब यह सवाल सारी दुनिया में खतरे की घंटी की मानिंद घनघना रहा है कि क्या वेनेजुएला और ईरान के बाद अब बारी क्यूबा की है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशना कठिन इसलिये नहीं है क्योंकि जिद्दी और अड़ियल डोनाल्ड ट्रंप अपनी खब्त में कुछ भी कर सकते हैं। दूसरे सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के 14 मई को हवाना की यात्रा और खुलेआम अंतिमेत्थम ने अमेरिका-क्यूबा के कसैले संबंधों मंह इजाफा कर एक करोड़ से कुछ अधिक क्यूबावासियों की रगों में सिहरन पैदा कर दी है।

आज नहीं, अर्से से क्यूबा के नसीब में चैन नहीं है और अमेरिकी धौंस, दबंगई और दादागिरी से उसकी मुसीबतों की गठरी भारी होती जा रही है। राजधानी हवाना समेत पूरा क्यूबा अंधेरे में डूबा हुआ है। क्यूबा अभूतपूर्व ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। डीजल और पेट्रोल का भंडार खत्म हो गया है। उसका अपना तेलशोधक संयंत्र फरवरी में आग की भेंट चढ़ गया। तेल की आपूर्ति के लिये उसका मुख्य आलंबन वेनेजुएला था, मगर अब वेनेजुएला अमेरिका का बंधक राष्ट्र है। ऊर्जा संकट का असर, शिक्षा, आहार, चिकित्सा आदि की प्रणालियों पर भी पड़ रहा है। हालत यह है कि राजधानी हवाना में नागरिकों को बाईस-बाईस घंटे ब्लैक आउट का सामना करना पड़ रहा है स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प हैं और लोगों को खाना पकाने के लाले पड़ गये हैं। फलतः असंतोष गहरा रहा है और मुसीबतज़दा लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। क्यूबा के इतिहास पर दृष्टिपात करें तो बीते करीब पांच शतियों में उसके संघर्ष की तस्वीर उभरती है। 20 अक्टूबर, सन् 1492 को कोलंबस की खोज के बाद यह कैरेबियन-द्वीप समूह स्पेन का उपनिवेश रहा। सन् 1868 में इसने स्वतंत्रता की घोषणा की और सन् 1895 में आजादी की लड़ाई छेड़ी। सन् 1898 में उसे मान्यता तो मिली, लेकिन वह अमेरिका के चंगुल में फँस गया। इसका अंत अंततः मई, 1902 में हुआ, जब वह गणतंत्र बना। लेकिन यह सौभाग्य भी अधिक दिन टिका नहीं। सन् 1933 में कूदेता से बातिस्ता सत्ता में आये और करीब पाव सदी क्यूबा ने उनकी तानाशाही झेली। इससे उसे आखिरकार सन् 1959 में फिदेल कास्त्रों ने मुक्ति दिलाई। फिदेल अपनी पॉलिसी से अमेरिका की आँखों की सबसे कर्री किरकिरी बनकर उभरे। अमेरिका ने उन्हें हटाने और निपटाने के लाख जतन किये, लेकिन उसकी दाल नहीं गली। फिदेल दशक-दर-दशक उसकी छाती पर मूंग दलते रहे। उन्होंने महाबली अमेरिका की नाक तले कम्युनिस्ट रिजीम खड़ी कर दी। सन् 1962 का मिसाइल प्रसंग दुनिया भूली नहीं है। यह शीत युद्ध का चरम प्रसंग था। बहरहाल, कास्त्रों ने शिक्षा, चिकित्सा और आवास पर खूब ध्यान दिया। मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सस्ते मकानों से उन्होंने क्यूबा का हुलिया बदल दिया। उन्होंने अफ्रीकी देशों व अन्यत्र डॉक्टरों की टोलियां भेजीं और दुनिया में अमेरिकी शिकंजे को तोड़ने का भरसक प्रयास किया। फलतः विश्व में मुक्ति कामी का जनता का यह लाड़ला नायक अमेरिका के लिये 'मोस्ट वांटेड' और खलनायक हो गया। उसके कृत्यों में सोवियत संघ उसका सरपरस्त और सहयोगी रहा। आज भी रूस और चीन उसके सहयोगी राष्ट्र हैं। रूस ने इसी साल 30 मार्च को एक लाख टन कच्चा तेल भेजा और चीन ने 80 मिलियन डॉलर की मदद और 60 हजार टन चावल देने का ऐलान किया। इसी क्रम में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने आठ मिलियन और फिर साढ़े पांच मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की।

क्यूबा के खिलाफ वाशिंगटन के दबाव के चलते लातिनी अमेरिकी देशों में क्यूबा से कन्नी काटने का दायरा बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको की क्लाडिया शीनबाम क्यूबा समर्थक हैं, लेकिन फरवरी में तेल से लदे दो पोत भेजन के पश्चात उन्होंने ट्रंप की नाराजगी के भय से क्यूबा को मदद से हाथ खींच लिये हैं। अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई अमेरिका के समर्थन में हैं, तो ब्राजील के लूला डिसिल्वा असमंजस में। चीले के गैब्रियल बोरिस ने क्यूबा पर पाबंदी को आपराधिक करार दिया था, लेकिन नये राष्ट्राध्यक्ष जोस अंतोनिया ने दो टूक कह दिया है कि क्यूबा को मदद से वहां तानाशाही के पाये मजबूत होंगे। अमेरिकी दबाव का असर अन्यत्र भी हो रहा है। निकारागुआ ने क्यूबनों के लिए वीजा फ्री एंट्री बंद कर दी है, तो ग्वाटेमाला ने क्यूबा की मेडिकल ब्रिगेडों की चरणबद्ध वापसी का कदम उठाया है। इसी क्रम में इक्वेडोर ने क्यूबा के राजदूत वसीलो गुटीरेज को देश निकाला दे दिया है। ट्रिनिडाड-टोबैगो की कमला प्रसाद बिसेसर ने मानवीय सहायता की बात करते हुये पुछल्ला जोड़ दिया है कि वह तानाशाही का समर्थन नहीं कर सकतीं। योरोपीय राष्ट्र पुर्तगाल ने तो दो कदम आगे बढ़कर क्यूबा में टूरिस्ट-ऑपरेशंस बंद कर दिये हैं।

किस्सा कोताह यह है कि क्यूबा की मुसीबतों का अंत नहीं है। कास्त्रो-काल के वैश्विक समीकरण बदल चुके हैं। अमेरिका और क्यूबा के दरम्यां अतीत त्रिभंगी मुद्रा में खड़ा है। अमेरिका निकारागुआ और बोलीविया में विद्रोह को समर्थन और कांगो, इथियोपिया, अंगोला, मोजंबीक, गीनिया बिसाऊ, यमन, अल्जीरिया, इराक और सीरिया के मामलों में क्यूबा के दखल को भूला नहीं है। उसे सन् 1959 का पनामा-प्रसंग भी याद है, जब क्यूबा ने तख्ता पलट के प्रयासों में मुंह की खाई थी। दिलचस्प बात है कि क्यूबा ने तख्ता पलट में मुंह की खाने के बाद भी अमेरिका को मुंह बिराना नहीं छोड़ा।

ये ही वे प्रसंग हैं, जिन्होंने आज नव उपनिवेशवादी अमेरिका की भृकुटि में बल डाल रखे हैं। व्हाइट हाउस आज हवाना से पुराना हिसाब चुकता करने के मूड में है। वह गड़े मुर्दे उखाड़ते हुये सन् 1996 के चार विमानों के शूट आउट प्रसंग में तत्कालीन रक्षा मंत्री रऊल कास्त्रो पर अभियोजन के पक्ष में है। रऊल अब 94 वर्ष के हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका उनके खिलाफ मुकदमे पर अड़ा हुआ है। क्यूबा भी अमेरिका की मंशा को भाँप रहा है, लिहाजा उसने अपना लहजा नरम कर दिया है। राष्ट्रपति मिगुएल डाएज कैनेल अमेरिकी कार्रवाई को समाज को व्यथित और बंधक बनाने तथा तख्तापलट की कोशिश मानते हुए 'जीनोसाइड' करार देते हैं, लेकिन अब वह निःशर्त बातचीत के लिए तत्पर दीखते हैं। इसी मार्च में उन्होंने 51 राजनीतिक कैदियों की रिहाई भी की है। उधर रैटक्लिफ ने आर्थिक व सुरक्षा के मुद्दों पर ट्रंप की नीति से हवाना को अवगत कर दिया है। क्यूबन-अमेरिकी मूल के मार्को रूबियो ने कहा है कि क्यूबा ने 100 मिलियन डॉलर की अमेरिका की मानवीय सहायता ठुकरा दी है, तो क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगज परीला ने कहा कि अमेरिका ने ऐसी किसी मदद की पेशकश ही नहीं की।

अध्यात्म

ऐसे ही होने चाहिए गुरु

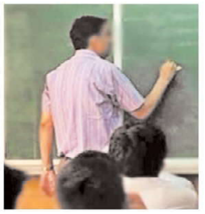

एक बार एक व्यक्ति की उसके बचपन के टीचर से मुलाकात होती है। वह उनके चरण स्पर्श कर अपना परिचय देता है। वे बड़े प्यार से पुछती है, अरे वाह, आप मेरे विद्यार्थी रहे है, अभी क्या करते हो, क्या बन गए हो?

मैं भी एक टीचर बन गया हूँ वह व्यक्ति बोला, और इसकी प्रेरणा मुझे आपसे ही मिली थी जब में 7 वर्ष का था। उस टीचर को बड़ा आश्चर्य हुआ, और वे बोली कि, मुझे तो आपकी शक्ल भी याद नही आ रही है, उस उम्र में मुझसे कैसी प्रेरणा मिली थी? वो व्यक्ति कहने लगा कि, यदि आपको याद हो, जब में चौथी क्लास में पढ़ता था, तब एक दिन सुबह सुबह मेरे सहपाठी ने उस दिन उसकी महंगी घड़ी चोरी होने की आपसे शिकायत की थी।

आपने क्लास का दरवाजा बन्द करवाया और सभी बच्चो को क्लास में पीछे एक साथ लाइन में खड़ा होने को कहा था। फिर आपने सभी बच्चों की जेबें टटोली थी। मेरे जेब से आपको घड़ी मिल गई थी जो मैंने चुराई थी। पर चूंकि आपने सभी बच्चों को अपनी आंखें बंद रखने को कहा था, तो किसी को पता नहीं चला कि घड़ी मैंने चुराई थी।

टीचर उस दिन आपने मुझे लज्जा व शर्म से बचा लिया था। और इस घटना के बाद कभी भी आपने अपने व्यवहार से मुझे यह नही लगने दिया कि मैंने एक गलत कार्य किया था। आपने बिना कुछ कहे मुझे क्षमा भी कर दिया और दूसरे बच्चे मुझे चोर कहते इससे भी बचा लिया था।ये सुनकर टीचर बोली, मुझे भी नही पता था बेटा कि वो घड़ी किसने चुराई थी। वो व्यक्ति बोला, नहीं टीचर, ये कैसे संभव है? आपने स्वयं अपने हाथों से चोरी की गई घड़ी मेरे जेब से निकाली थी।

टीचर बोलीः बेटा मैं जब सबके पॉकेट चेक कर रही थी, उस समय मैने कहा था कि सब अपनी आंखे बंद रखेंगे, और वही मैंने भी किया, मैंने स्वयं भी अपनी आंखें बंद रखी थी। ऐसे ही होने चाहिए गुरु, ऐसे ही होने चाहिए घर के बुजुर्ग, गांव के मुखिया। जो सबको बैलेंस करें, कमियों को दूर करें, खूबियों को निखारें।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

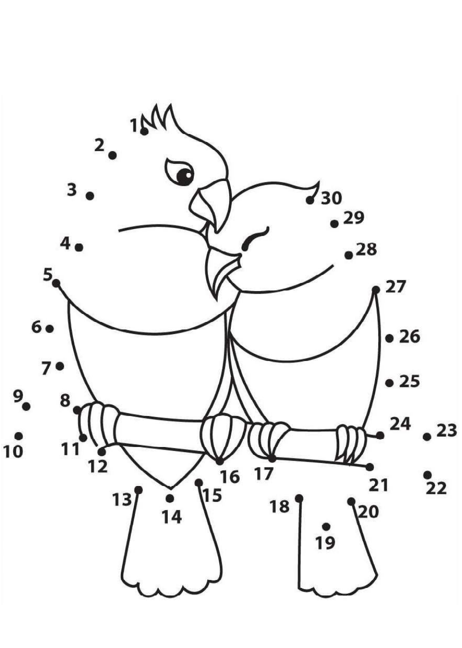

वर्ग पहेली 5884

1	2	■	3		4	5	6
7		8		■	9		
	■	10		11		■	
■	12	■	13		■	14	■
15	■	16			■	17	18
19	20		■	21	22		
■	23			■		■	
24			■	■	■	25	

संकेतः बाएं से दाएं

1. एशिया का सबसे बड़ा मरूस्थल मध्य एशिया का जनतंत्रात्मक गणराज्य मंगोलिया में यहां है (2)
3. दुनिया की सबसे लंबी गुफा इस देश में है इसकी लंबाई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है इसमें एक नदी और जंगल भी है (5)
7. सूर्यपुत्र कर्ण इस उपधि से विभूषित थे (4)
9. आक्रमण, धावा, चढ़ाई (3)
10. अनुकंपा, दया, मेहरबानी (4)
12. शास्त्रीय संगीत में ऋषभस्वर (1)
13. जूड़ी, ताप, बुखार (2)
16. विश्व के सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन इस देश में होता है (3)
17. गोपों की प्राचीन क्रीड़ा, लगाम (2)
19. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
21. जादूगर, कलंदर, कलाबाज (4)
23. संगीत के माध्यम से शरीर के अंग संचालित करवाना, नृत्य करवाना (3)
24. तट, तीर, कूल, छिद्रमुख (3)
25. पटसन को यह भी कहते है (2)

ऊपर से नीचे

1. मुंशी प्रेमचंद की एक साहित्यिक कृति अभिनेत्री कामिनी कौशल की बतौर नायिका अंतिम फिल्म थी (3)
2. तुमड़ी, तुबी, सपेरों का एक वाद्य (2)
3. वियोग दुख, वियोगा नल, विरह वेदना (5)
4. वस्तु, संज्ञा, प्रसिद्धि (2)
6. अफसोस, रंज, गम, पश्चाताप (3)
8. बहादुर, योद्धा, सूरमा, पराक्रमी (2)
11. दफा, बार, पदवी, बारी (4)
14. वैराग्य का अपभ्रंश, विरक्ति (3)
15. तिब्बत में होने वाला जंगली भैंसा (2)
16. बंधुतव, भातृत्व, भाई का नाता (4)
18. अश्वगति, तेज, शीघ्रता (4)
20. आज्ञा पालन करना, सम्मान करना (3)
22. जो बहन का पति हो (2)

वर्ग पहेली 5883

अ	रू	णा	च	ल	प्र	दे	श
त	ह	■	तु	ला	■	शां	त
ल	■	वि	रा	ट	■	त	क
■	स	मा	ई	■	मो	र	■
मो	ह	न	■	या	र	■	शै
■	न	चा	ना	■	ध्व	ज	■
सु	शी	ल	■	का	ज	ल	■
■	ल	क	ल	क	■	ज	री

रास्ता खोजो...

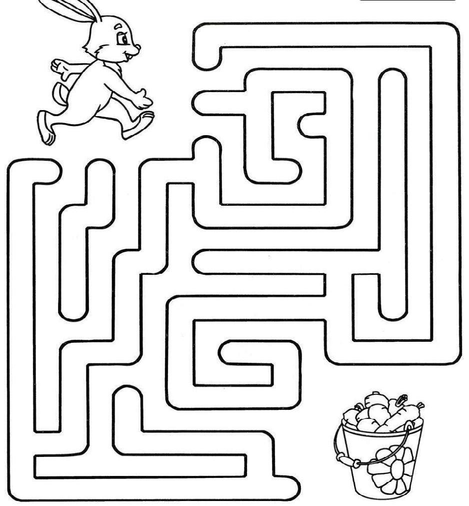

Reliance
AUTHORISED DEALER
Konark
Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

समृद्ध सामाजिक जीवन हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है गृह विज्ञान

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है।

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं।

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशत-वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है।

गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान में शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं। हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परंतु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते हैं, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनों विषयों के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।

गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृत्ति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है। होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्रायवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार की प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार हैं-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादों से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नहीं छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलू बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2025 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

कई इलाकों में पेयजल संकट गहराया, लोग बूंद-बूंद पानी को तरसे

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी के प्रकोप के साथ ही दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल संकट गहरा गया है, जिससे स्थानीय निवासियों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। जल बोर्ड की उदासीनता के कारण लोग बूंद- बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। स्थिति यह है कि बार- बार शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस समाधान नहीं हो रहा है। मॉडल टाउन के आर ब्लाक में पिछले चार दिनों से पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। यहां के 75 वर्षीय बुजुर्ग निवासी प्रेम नाथ सिंघल ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि ऐसी स्थिति फिर कभी उत्पन्न न हो, भले ही मौत आ जाए। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, पानी का संकट भी गहराता जा रहा है। यहां पांच हजार से अधिक आबादी रहती है। इस संबंध में जल बोर्ड के अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। अब तो हालात ये हैं कि निवासियों को अधिकारियों के पास जाकर शिकायत करने में भी शर्म महसूस होने लगी है। दूसरी तरफ, मुखर्जी नगर स्थित रायल पार्क की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। यहां के निवासी उज्जवल सिंह बक्शी ने बताया कि इस भीषण गर्मी में पिछले एक सप्ताह से घरों के नलों में अत्यधिक गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई हो रहा है। यह पानी इस कदर दूषित है कि लोग इसका उपयोग रोजमर्रा के घरेलू कार्यों या साफ-सफाई में भी नहीं कर पा रहे हैं। इस गंभीर विषय पर रायल पार्क एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जल बोर्ड में कई बार गुहार लगाई, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया या समाधान नहीं मिला। सरकारी तंत्र से निराश होकर अब लोग अपनी इस बुनियादी समस्या को इंटरनेट मीडिया पर साझा कर न्याय की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा जल संकट की यह भयावह तस्वीर दिल्ली के कई अन्य बड़े हिस्सों में भी साफ देखी जा सकती है। नबी करीम, मोतिया खान, मलका गंज, बलजीत नगर, आनंद पर्वत, राजेंद्र नगर, चावड़ी बाजार, बीआर कैंप और संजय गांधी कैंप जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी पेयजल की भारी किल्लत मची हुई है। इंद्रपुरी की स्थानीय निवासी पोनमुदी लक्ष्मण ने कहा कि यहां के लोग पूरी तरह से पानी के टैंकरों पर निर्भर हो चुके हैं। पानी हासिल करने के लिए लोगों को तपती धूप में सड़कों पर लंबी कतारें लगाकर घंटों टैंकर का इंतजार करना पड़ता है। कई बार जब दो-तीन दिनों तक टैंकर नहीं आता, तो इस भीषण गर्मी और उमस में लोगों को बिना नहाए-धोए ही गुजारा करना पड़ता है।

खानपुर में गहराया जल संकट, भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के गोविंदपुरी में करीब एक महीने से लोग पानी के लिए परेशान हैं। गोविंदपुरी और गोविंदपुरी एक्सटेंशन दोनों इलाकों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है। ऐसे में पानी के लिए लोग पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हैं। वहीं भीषण गर्मी में लोगों को टैंकर भी आसानी से नहीं मिल पा रहे हैं, ऐसे में खासी समस्या उठानी पड़ रही है। उधर, देवली विधानसभा के खानपुर इलाके में भी पिछले 15 दिनों से पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इसे लेकर लोगों ने दिल्ली जल बोर्ड से शिकायत भी की है। गोविंदपुरी में लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। करीब महीने भर से लोग बूंद-बूद पानी को तरस रहे हैं। लोगों का आरोप है कि पानी की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित है ।क

अपनी जान पर खेल गया दिल्ली पुलिस का हवलदार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिले के बुराड़ी इलाके में लगी भीषण आग के बीच दिल्ली पुलिस के एक हवलदार ने 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जिंदगी बचा ली थी। धुएं और आग की लपटों से घिरी इमारत में फंसे दंपती को बचाने के साथ ही हवलदार ने पास के हॉस्टल में रह रहे 11 दृष्टिबाधित छात्रों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। पुलिस अधिकारियों ने हवलदार की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, घटना 17 मई की रात करीब ढाई बजे बुराड़ी थाना क्षेत्र के दरोगा मार्केट में हुई थी। आग तेजी से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचने लगी और पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया। उसी दौरान बुराड़ी थाने में

तैनात हवलदार अमर सिंह इलाके में गश्त कर रहे थे। सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचे। आग लगने वाली इमारत की दूसरी मंजिल पर रवि यादव और उनकी पत्नी सुप्रिया यादव फंसे हुए थे। आग और धुएं के कारण सीढ़ियों का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका था। दोनों बालकनी से मदद के लिए आवाज लगा रहे थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए हवलदार अमर सिंह ने सड़क से गुजर रहे एक ट्रक को रुकवाया। वह ट्रक की छत पर चढ़े और वहां से बालकनी तक पहुंचकर पहले महिला और फिर उसके पति को सुरक्षित नीचे उतारा। दोनों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के दौरान अमर सिंह ने उन्हें अपने कंधे का सहारा दिया।

दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला, 4 मरीजों की जान बचाने के लिए 'मल्टी-वे स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट' को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मल्टी-वे स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट को मंजूरी दे दी है, इसमें किडनी की पुरानी बीमारी से जूझ रहे चार मरीज एक-दूसरे के करीबी रिश्तेदारों से अंग प्राप्त करेंगे। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि एक निजी अस्पताल की ऑथराइजेशन कमेटी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत अपीलीय प्राधिकरण का इस प्रस्ताव को खारिज करने का फैसला, मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम-1994 के उद्देश्य के विपरीत था। साथ ही अदालत ने अस्पताल की ऑथराइजेशन कमेटी को निर्देश दिया कि वह मेडिकल और नैतिक प्रोटोकाल के अधीन, इस मल्टी-वे स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट को जल्द से जल्द मंजूरी दे। अदालत ने उक्त आदेश आठ व्यक्तियों की याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया। इनमें चार प्राप्तकर्ता और उनके इच्छुक करीबी-रिश्तेदार शामिल थे। इन सभी के क्रॉस-मैच परिणाम सकारात्मक आए थे और इससे यह स्वैप संभव हो पाया। यह प्रस्ताव रखा गया था कि प्रत्येक अंगदाता इस शृंखला में एक अनुकूल प्राप्तकर्ता को अपनी किडनी देगा, जिससे चारों मरीजों को अंग मिल सकेगा। हालांकि, आथराइजेशन कमेटी ने फरवरी में इस प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि करीबी-रिश्तेदार दाताओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है, मल्टी-पेयर स्वैप के लिए कोई स्पष्ट वैधानिक प्रावधान नहीं है। यह भी कहा था कि कोई असाधारण चिकित्सकीय तथ्य मौजूद नहीं है। ऐसे परिदृश्य में वित्तीय प्रलोभन की

संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। अधिनियम सिर्फ दो तरफा स्वैप की अनुमति देता है अपीलीय प्राधिकरण ने भी अप्रैल में उक्त आदेश को यह मानते हुए बरकरार रखा कि 'मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम' की धारा ९(3ए) केवल दो-तरफा स्वैप की अनुमति देती है। वहीं, याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता गायत्री विरमानी और दिशा गुप्ता - ने तर्क दिया कि धारा ९(3ए) इच्छुक करीबी रिश्तेदारों के बीच जैविक असंगति के मामलों में स्वैप ट्रांसप्लांट की सुविधा प्रदान करता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता सुमित नागपाल ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा और कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह सभी याचिकाकर्ता दिल्ली, बिहार, नागालैंड और जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं और सभी प्राप्तकर्ता किडनी की पुरानी बीमारी के अंतिम चरण से जूझ रहे थे।

कनाडा में तिरंगे का अपमानः खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि

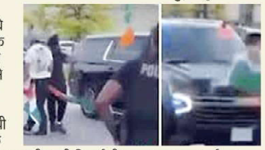

कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी। घटना उस समय हुई जब भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

महिलाओं पर मानसिक बोझ बढ़ रहा, अदृश्य दबाव पर अध्ययन में बड़ा खुलासा

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया तेजी से बदल रही है, महिलाएं नौकरी, कारोबार और हर पेशे में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अब भी सबसे ज्यादा उन्हीं के कंधों पर है। यही वजह है कि महिलाओं में मानसिक थकावट और भावनात्मक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। मेलबर्न यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लिया रूपैनर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि महिलाओं पर केवल घर के काम का दबाव नहीं है, बल्कि परिवार, रिश्तों, बच्चों और भविष्य को लेकर लगातार चलने वाली मानसिक चिंता उन्हें भीतर से थका रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ऐसा दबाव है जो दिखाई नहीं देता, लेकिन महिलाओं की मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल रहा है। अध्ययन के मुताबिक अब पुरुष पहले के मुकाबले घर के कामों में ज्यादा मदद कर रहे हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखने की मानसिक जिम्मेदारी अब भी महिलाओं के हिस्से में ही आती है। कौन-सा सामान खत्म हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, परिवार में किसकी तबीयत खराब है, रिश्तेदारों से कब बात करनी है और भविष्य की क्या योजना बनानी है, ऐसी तमाम बातें महिलाओं के दिमाग में लगातार चलती रहती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने

कहा कि घर का कोई काम खत्म हो सकता है, लेकिन मानसिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। यही लगातार चलने वाला मानसिक दबाव महिलाओं को भावनात्मक रूप से थका देता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि महिलाएं खुद के लिए समय निकालने में भी अपराधबोध महसूस करती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने बताया कि कई महिलाएं अपनी जरूरतों से ज्यादा परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। शोध के दौरान कुछ महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन अधिकांश महिलाएं वह पैसा खुद पर खर्च करने से हिचक रही थीं। वे उसे परिवार के लिए इस्तेमाल करना चाहती थीं। हालांकि जब महिलाओं ने खुद पर समय और संसाधन खर्च किए तो उनके मानसिक तनाव में कमी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं को आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर बाहरी मदद लेने को लेकर अपराधबोध छोड़ना होगा। अध्ययन में महिलाओं के मानसिक बोझ को आठ हिस्सों में बांटा गया है। इसमें घर की योजना बनाना, परिवार की भावनात्मक देखभाल करना, रिश्तों को संभालना और त्योहारों या खास मौकों को यादगार बनाने की जिम्मेदारी शामिल है। इसके अलावा परिवार के सपनों को पूरा करने की चिंता, खुद को फिट रखने का दबाव और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार सोच भी महिलाओं पर असर डालती है। सबसे बड़ा दबाव यह होता है कि महिलाएं हमेशा यह सोचती रहती हैं कि वे परिवार और समाज के लिए पर्याप्त कर पा रही हैं या नहीं।

यूनिटी कपः

जमैका ने सेमीफाइनल में भारत को 2-0 से हराया, तीसरे स्थान के लिए होगी जिम्बाब्वे से भिड़ंत

लंदन । भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को द वैली में यूनिटी कप के दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। आठवें मिनट में कर्टनी क्लार्क के शानदार शुरुआती स्ट्राइक और 78वें मिनट में काहेम डिक्सन के गोल ने जमैका को फाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड की धरती पर साल 2002 के बाद अपना पहला मैच खेल रही भारतीय टीम अब 30 मई को तीसरे स्थान के प्लेऑफ में जिम्बाब्वे का सामना करेगी। जिम्बाब्वे को पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। खिताबी मुकाबले में नाइजीरिया की भिड़ंत पिछले साल की तरह ही जमैका से होगी। इस मैच में कई महत्वपूर्ण व्यक्तिगत पल देखने को मिले। नौफल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर नेशनल टीम में डेब्यू किया, जबकि एडमंड लालरिंडिका को भारत के लिए अपना पहला स्टार्ट मिला। जमैका सेमीफाइनल मुकाबले में पूरी तरह से भारत पर हावी रहा और टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। आठवें मिनट में जमैका ने तेज काउंटर अटैक किया और भारतीय डिफेंस को मुश्किल में डाल दिया। इस दौरान गुरप्रीत सिंह संधू को एक टाइट एंगल से शानदार बचाव करना पड़ा और उन्होंने गोल होने से बचा लिया। हालांकि, खतरा पूरी तरह टला नहीं था। भारत अपनी डिफेंसिव लाइन से गेंद को ठीक से क्लियर नहीं कर पाया, और क्लार्क गलत पास को रोककर हाथ आए मौके को भुनाने में सफल रहे। उन्होंने बॉल को अपने दाहिने पैर पर कंट्रोल किया और फिर गुरप्रीत के डाइव करने के बावजूद गेंद को टॉप-राइट कॉर्नर में मारकर शानदार गोल किया। जमैका ने आत्मविश्वास के साथ अटैक करना जारी रखा, विंग्स से भातरीय डिफेंस को भेदते हुए और बड़ी आसानी से स्पेस का फायदा उठाया। डिक्सन ने मैच के 17वें मिनट में जमैका की बढ़त को लगभग दोगुना कर ही दिया था, लेकिन ग्रुरपीत ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत को मुकाबले में जिंदा रखा। जैसे-जैसे पहला हाफ आगे बढ़ा, भारत ने धीरे-धीरे अपने खेल पर पकड़ बनानी शुरू की। टीम ने कुछ अच्छे पास और बेहतर गेंद नियंत्रण दिखाया। हालांकि, आखिरी तीसरे हिस्से में टीम की आक्रमण क्षमता कमजोर रही और मौके बनाने में रचनात्मकता की कमी दिखी। रयान विलियम्स, चांगटे और लालरिंडिका मैच पर बड़ा असर डालने में संघर्ष करते दिखे। नतीजा यह रहा कि भारत जमैका के गोलकीपर कोनिया बॉयस-क्लार्क को ज्यादा चुनौती दिए बिना ही हाफ-टाइम तक पहुंच गया। ब्रेक के बाद भारत ज्यादा आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ खेलता दिखा। 53वें मिनट में जमैका के डिफेंस और गोलकीपर की गलती के बाद भारत को एक बड़ा मौका मिला। रोशन ने एक लूज गेंद को रहीम अली को पास किया, जो हाफ-टाइम के बाद लालरिंडिका की जगह मैदान पर आए थे। इसके बाद छांगते ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया, लेकिन अली के ऑफसाइड होने की वजह से यह गोल मान्य नहीं हुआ और भारत ने बराबरी का मौका गंवा दिया।

सिंगापुर ओपन

दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ

एचएस प्रणय ने किया उलटफेर

लक्ष्य सेन भी जीते

नई दिल्ली। स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने सिंगापुर में शानदार जीत के साथ 10 लाख डॉलर इनामी सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता 33 वर्षीय प्रणय ने एक घंटे से कुछ अधिक समय में दुनिया के पांचवें नंबर के इंडोनेशियाई खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को 10-21, 21-12, 21-18 से हराया। क्रिस्टी के खिलाफ पिछले पांच वर्षों में यह प्रणय की पहली जीत है। इससे पहले उन्होंने 2021 इंडोनेशिया ओपन में क्रिस्टी को हराया था। प्रणय अब अगले दौर में सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से भिड़ेंगे। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इसके बाद दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी ल्यू गुवांग झू को 42 मिनट में 21-17 21-15

से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड के दूसरे वरीय कुनलावुत वितिदसार्न से भिड़ेंगे।

श्रीकांत हारे- ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी भी वोंग टिएन सी और लिम च्यू सिएन की मलेशिया की जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई। किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गए। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत को स्थानीय खिलाड़ी लोह कीन यू के खिलाफ 20-22, 21-19, 17-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

लोह कीन यू ने लिया बदला- लोह कीन यू ने इस जीत के साथ पिछले हफ्ते भारतीय खिलाड़ी के हाथों मिली हार का बदला ले लिया। चोट के बाद वापसी कर रही मालविका भी चीनी ताइपे की लिन शियांग टी को कड़ी चुनाती देने के बावजूद 21-11, 19-21, 12-21 से हार गईं।

आज जीटी से पार पाना आरआर के लिए आसान नहीं हेड टू हेड रिकॉर्ड दे रहे गवाही

नई दिल्ली । 'आईपीएल- 2026' का दूसरा क्वालीफायर मुकाबला राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच शुक्रवार को खेला जाएगा। आरआर के खिलाफ जीटी का रिकॉर्ड शानदार रहा है। जीटी को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया। आरआर और जीटी के बीच आईपीएल में अब तक कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 7 मुकाबलों में जीत जीटी के हाथ लगी है, जबकि राजस्थान रॉयल्स सिर्फ 3 मैच ही जीत सकी है। गुजरात टाइटंस अपने इस दमदार रिकॉर्ड को दूसरे क्वालीफायर में भी बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, राजस्थान रॉयल्स एलिमिनेटर मुकाबले के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। आरआर के लिए एलिमिनेटर मुकाबले में सब कुछ सही घटा था। बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बैटिंग करते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 97 रनों की दमदार पारी खेली थी, तो ध्रुव जुरेल ने भी महज 21 गेंदों में 50 रन बनाए थे। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की जोड़ी असरदार नजर आई थी। आर्चर ने तीन विकेट अपने नाम किए थे, जबकि बर्गर 2 विकेट लेने में सफल रहे थे। सुशांत मिश्रा और रवींद्र जडेजा ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए थे।

विश्व चैंपियनशिप की मेडलिस्ट पूजा ढांडा बोलीं- | एशियन गेम्स में भारत जीतेगा ढेरों मेडल

विनेश फोगाट को भी दी बधाई

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज महिला पहलवान और विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पूजा ढांडा को भरोसा है कि आने वाले एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करेंगे। मीडिया के साथ बातचीत में पूजा ढांडा ने भारत को दोबारा कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने, भारतीय रेसलिंग के बदलते माहौल, बच्चों में बढ़ती खेल संस्कृति और विनेश फोगाट की वापसी जैसे मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी।

साल 2018 में गोल्डकोस्ट में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वालीं पूजा ढांडा ने कहा कि भारतीय रेसलिंग अब फिर से पटरी पर लौट रही है और देश के खिलाड़ी आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स में ढेरों मेडल जीतने का दम रखते हैं।

सवाल: भारत को फिर से कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है। इसको किस तरह से देखती हैं?

पूजा ढांडा: बहुत ही बढ़िया है, क्योंकि जब 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स भारत में हुए थे तो उस समय मैंने राष्ट्रमंडल खेल में हिस्सा लेने का सपना देखा था। उस समय हम छोटे थे और भारत में कोई चीज हो रही थी तो हमें लगा कि ये बहुत बड़ी प्रतियोगिता है और इसे जीतना चाहिए। इसके लिए मेहनत करनी चाहिए और इसीलिए हमने अपनी मेहनत को दोगुना कर दिया था। दरअसल, जब कोई चीज अपने घर में होती है तो कहीं न कहीं बढ़-चढ़कर बड़े चाव के साथ बच्चे प्रैक्टिस करते हैं कि हमें अपना सौ फीसदी देना है और गोल्ड मेडल ही जीतना है। तो नि:संदेह हमारे देशवासियों और हमारे खिलाड़ियों का फायदा होगा। खिलाड़ी जी-जान लगाकर मैदान पर उतरेंगे और मुझे उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम लेकर आएंगे।

सवाल: विश्व रेसलिंग चैंपियनशिप में आपने कांस्य पदक जीता है। 2018 गोल्डकोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में आपने रजत पदक जीता था। अब जब आप बतौर खिलाड़ी बहुत एक्टिव नहीं हैं। अपनी जर्नी का कोई बेस्ट मूवमेंट याद करना चाहेंगी?

पूजा ढांडा: बिल्कुल जब 2018 में ऑस्ट्रेलिया में कॉमनवेल्थ गेम्स में मैंने देश के लिए रजत पदक जीता था। वह मेरी जिंदगी के लिए बहुत ही अहम क्षण था। मेरी जिंदगी बदलने वाला क्षण था। उसने मेरी जिंदगी को हर तरीके से बदल दिया। सामाजिक रूप से, भावनात्मक रूप से, वित्तीय रूप से हर तरीके से मुझे मान-सम्मान हर चीज मिली जो आज मेरी जीवनशैली में झलकती है और हर पल उस पल का शुक्रिया करती हूं।

सवाल: कुछ ही महीनों में एशियाई खेल होने वाले हैं। भारतीय पहलवानों से कितनी उम्मीदे हैं?

पूजा ढांडा: देखिए बिल्कुल भारत की रेसलिंग काफी बढ़ी है। पहले जो नतीजे आए हैं, उससे बेस्ट परिणाम इस समय जो हमारे खिलाड़ी हैं उनसे देने की उम्मीद है। मैं उन सभी को शुभकामनाएं देना चाहती हूं कि वह एशियाई खेलों में अपना बेस्ट करें, क्योंकि इंडिया किसी से पीछे नहीं है। इंडिया के पास हर सुविधाएं हैं। मेहनत की भी कोई कमी नहीं है। किसी भी चीज की हमारे पास कोई कमी नहीं है।

छिपकली को मां लक्ष्मी के आगमन के संकेत माना जाता है। वास्तु शास्त्र में छिपकली के घर में दिखने को भविष्य के संकेत के तौर पर देखा जाता है। किसी शुभ अवसर पर छिपकली का दिखना धन लाभ का संकेत माना जाता है। आइए जानते हैं कि घर में छिपकली दिखना शुभ है या अशुभ। घर की दीवारों पर छिपकली का दिखना आम बात है। कुछ लोग छिपकली के दिखने को शुभ और कुछ लोग अशुभता का प्रतीक मानते हैं। शकुन शास्त्र में इसे मां लक्ष्मी के आगमन का संकेत माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, छिपकली का घर में दिखना कई तरह के संकेत देता है। छिपकली के दिखने को भविष्य के संकेत के तौर पर देखा जाता है। दीवाली के दिन या किसी शुभ अवसर पर छिपकली का दिखना धन लाभ का संकेत माना जाता है। हालांकि, शुभ और अशुभ संकेत के लिए छिपकली के स्थान और उसकी स्थिति को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

छिपकली दिखने के शुभ संकेत

पूजा घर के पास छिपकली का दिखना: घर के मंदिर के आसपास छिपकली का दिखना बहुत शुभ माना जाता है। इसे किस्मत चमकने के तौर पर देखा जाता है। पूजा स्थल के आसपास छिपकली का होना सुख-समृद्धि और धन लाभ का संकेत देता है।

फर्स पर छिपकली का दिखना का संकेत: फर्स पर छिपकली को चलते हुए देखने को वास्तु शास्त्र में बेहद ही शुभ मानकर देखा जाता है। आर्थिक तरक्की और रुके हुए पैसों के मिलने के संकेत के तौर पर देखा जाता है।

अनाज के पास छिपकली दिखने का संकेत: चावल या गेंहू रखने की जगह पर भी छिपकली का मौजूद होना शुभता का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि इस स्थान पर छिपकली दिखने से घर में बरकत और खुशहाली आती है।

नए घर में छिपकली का दिखना: नए घर में पहली बार प्रवेश करते समय छिपकली दिखने को बेहद शुभ संकेत के तौर पर देखा जाता है। इसे पूर्वजों के आशीर्वाद माना जाता है, जो घर में सुख-समृद्धि आने का प्रतीक होता है।

छिपकली दिखने के अशुभ संकेत

छिपकलियों का लड़ना: घर में छिपकलियों को आपस में लड़ते देखने को अशुभ संकेत माना जाता है। यह घर में कलेश, लड़ाई-झगड़े, परिवार या दोस्तों के साथ मतभेद की ओर इशारा करता है।

मरी हुई छिपकली दिखना: वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, घर में मरी हुई छिपकली दिखाई देना अशुभ संकेत माना जाता है। यह घर में किसी बीमारी या नकारात्मक ऊर्जा के आने का इशारा हो सकता है।

काली रंग की छिपकली दिखना: काले रंग की छिपकली को नकारात्मक संकेत माना जाता है। यह आने वाली परेशानियों या किसी अशुभ घटना की ओर इशारा करती है।

छिपकली की अधिक संख्या में: घर में अचानक बहुत सारी छिपकलियां दिखाई देने अशुभ संकेत माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार यह कमजोर राहु का प्रभाव हो सकता है। इससे मानसिक तनाव और भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

घर में कछुआ रखने से पहले जान लें ये बातें, बढ़ेगा बैंक बैलेंस, नौकरी और व्यापार में मिलेगी तरक्की

फेंगशुई और वास्तुशास्त्र में घर में कछुआ रखने का खास महत्व होता है। इसे कई लोग अपने घर में सुख-समृद्धि के लिए लाकर रखते हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से परिवार के सभी सदस्यों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, कछुए को अपने ऑफिस में रखना भी शुभ माना गया है। इससे जातक को नौकरी और व्यापार में तरक्की मिल सकती है। लेकिन घर या दफ्तर में कछुआ रखने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी होता है। इसे गलत स्थान या दिशा में रखने से पूर्ण फल की प्राप्ति नहीं होती है। तो आइए जानते हैं कि फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से पहले किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और इससे क्या लाभ प्राप्त होते हैं।

घर में कैसे और कहां रखें कछुआ

फेंगशुई के अनुसार, कछुए को सही स्थान और सही प्रकार रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। पौराणिक ग्रंथों और हिंदू धर्म में कछुए को सुख-समृद्धि देने वाला माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, विष्णुजी ने स्वयं कच्छप अवतार लिया था। साथ ही, कछुए को शांत जीव माना जाता है। ऐसे में आप इसकी फोटो अपने मंदिर में लगा सकते हैं। इसके अलावा, कछुए की छोटी प्रतिमा को पानी से भरे पीतल या अष्टधातु के पात्र में रखना चाहिए। इस प्रकार घर या अपने मंदिर में कछुआ रखने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

सही दिशा में रखें कछुआ

अक्सर हम घर पर अपने अनुसार स्थान चुनकर कछुए को रख देते हैं। लेकिन फेंगशुई और वास्तु में इसे रखने की सही दिशा बताई गई है, जिसका ध्यान जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि उत्तर दिशा माता लक्ष्मी की होती है। ऐसे में कछुए को अपने घर में उत्तर दिशा में ही रखना चाहिए। ऐसा करने से धन की देवी माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जातक का बैंक बैलेंस भी बढ़ सकता है। मान्यता है कि उत्तर दिशा में कछुआ रखने से शत्रुओं का भी नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

पीतल का कछुआ दिलाएगा तरक्की

अगर आप व्यवसाय, बिजनेस या नौकरी में लगातार बाधाओं और समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो घर या कार्यस्थल पर पीतल का कछुआ लाकर रख सकते हैं। इससे कार्यों में आने वाली बाधाएं कम होने लगती हैं और सफलता के मार्ग खुलते हैं। वहीं, विद्यार्थियों के लिए भी पीतल का कछुआ बहुत शुभ फलदायी होता है। इससे आपको शिक्षा के क्षेत्र में लाभ मिल सकता है और मेहनत का फल भी प्राप्त होता है। पीतल का कछुआ घर में रखने से आसपास का माहौल हमेशा सकारात्मक बना रहता है।

धन प्राप्ति के लिए रखें ऐसा कछुआ

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए अपने घर या ऑफिस में क्रिस्टल से बना कछुआ लाकर रख सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा कछुआ धन प्राप्ति का सूचक होता है। इससे आपको आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है और धन में वृद्धि होने की संभावनाएं बढ़ने लगती हैं। इसके अलावा, आप चाहें तो अपने घर या ऑफिस के मुख्य द्वार पर कछुए की फोटो भी लगा सकते हैं। इससे व्यापार में उन्नति के नए मार्ग खुलते हैं और जातक को नौकरी में भी सफलता प्राप्त हो सकती है।

घर में कब रखें 2 कछुए

फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आपके घर में अक्सर छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते रहते हैं या तनाव बना रहता है तो इसके लिए छोटा सा काम कर सकते हैं। इसके लिए अपने घर में कछुओं का जोड़ा यानी 2 कछुए लाकर रख लें।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने डेली रूटीन में कोई बदलाव न करें, क्योंकि परिवार में संपत्ति को लेकर कोई वाद-विवाद की स्थिति खड़ी हो सकती है। पिताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आपको भागदौड़ भी अधिक रहेगी। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप अपने मित्रों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे। पार्टनरशिप में आप कोई काम ना करें। आप अपने कामों को तेजी से निपटाने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपका निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप अपने घर के कामों में भी कोई बदलाव कर सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपनी सेहत पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी वाद-विवाद में ना पड़ें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आर्थिक मामलों में आपको पूरी समझदारी दिखानी होगी। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, जो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन

कर्क आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा, लेकिन आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना होगा। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय से बाद में आपको पछतावा हो सकता है। आपकी बिजनेस में भी कोई अटकी हुई डील फाइनल होगी, जो आपको थोड़ी टेंशन दे सकती है और किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

सिंह आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको आवेश में आकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आपको अपने कामों को लेकर पूरी जिम्मेदारी से काम करना होगा। वरिष्ठ सदस्यों से आप काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए कुछ धन का इंतजाम भी कर सकते हैं।

कन्या आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। कारोबार को लेकर आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। आपका कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। जीवनसाथी से उनकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी।

तुला आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको अपने परिजनों पर भरोसा थोड़ा सोच समझकर करना होगा। कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है। आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलना होगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप अपने जीवन स्तर को सुधारने की कोशिश में लगे रहेंगे। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

धनु आज का दिन आपके लिए किसी वाद-विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा और आप परिवार में किसी सदस्य पर कोई जिम्मेदारी ना डालें। आपको अपने कामों को लेकर सूझबूझ दिखाने की आवश्यकता है। छोटों की गलतियों को आपको बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। आप अपने आवश्यक कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। करीबियों को आपको पूरा साथ मिलेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सूझबूझ से काम करने के लिए रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। धन को लेकर यदि आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप छुटपुट लाभ के अवसरों को भी हाथ से जाने ना दें। आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी।

कुंभ आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी वाणी के आकर्षण से लोग आपकी तरफ आकर्षित होंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को इसका अच्छा फायदा मिलेगा। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी और माताजी से आप कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों से आपकी खूब पटेगी। बिजनेस में आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

मीन आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। कारोबार में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा और आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपको कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। आप किसी धार्मिक का आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छी रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य भरपूर मात्रा में मिलेगा।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
24 Hours Room service available
Lodging and Boarding
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
✦ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
✦ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

दुर्गाडी किले पर फिर गरमाया धार्मिक विवाद, बकरी ईद पर मंदिर प्रवेश पर रोक

कल्याण(नि.स)। कल्याण के ऐतिहासिक दुर्गाडी किले परिसर में धार्मिक विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। हर साल की तरह इस वर्ष भी बकरी ईद के मौके पर दुर्गाडी किले स्थित दुर्गा देवी मंदिर में हिंदू श्रद्धालुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं जिला प्रशासन ने वर्षभर के अन्य दिनों में किले परिसर में किसी भी प्रकार की इस्लामी उपासना पर रोक लगाने के आदेश भी जारी किए हैं। गुरुवार सुबह शिवसेना कार्यकर्ताओं ने दुर्गाडी किले पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ता आक्रामक नजर आए और किले परिसर में आरती भी की गई। मौके पर तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। बकरी ईद को देखते हुए प्रशासन ने किले परिसर में भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया है। दरअसल दुर्गाडी किले पर दुर्गा देवी का मंदिर स्थित है, जबकि किले के तलहटी में ईदगाह मौजूद है। इसी स्थान को लेकर कई वर्षों से हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच विवाद चला आ रहा है। हिंदू संगठनों का दावा है कि यहां मूल रूप से दुर्गा देवी का मंदिर है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे ईदगाह बताता है। यह मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। बताया जाता है कि 1982 में दिवंगत शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के निर्देश पर तत्कालीन जिलाप्रमुख आनंद दिघे ने "घंटानाद आंदोलन" शुरू किया था। यह आंदोलन आज भी जारी है और हर वर्ष बकरी ईद के दौरान शिवसेना द्वारा इसका आयोजन किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से दोनों शिवसेना गुट यहां आंदोलन करते रहे हैं, जबकि इस वर्ष भाजपा भी आंदोलन में शामिल होने जा रही है। दुर्गाडी किले का यह विवाद पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से जारी है। कई बार यहां तनाव की स्थिति भी बन चुकी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और राज्य रिजर्व पुलिस बल की तैनाती की जाती है। प्रशासन का कहना है कि अदालत के अंतिम फैसले तक अस्थायी व्यवस्था लागू रहेगी और शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की मुहर: नवी मुंबई मनपा ही वसूलेगा टीटीसी एमआईडीसी क्षेत्र का प्रॉपर्टी टैक्स

नवी मुंबई(नि.स)। नवी मुंबई मनपा और टीटीसी एमआईडीसी क्षेत्र के लघु उद्यमियों के बीच वर्ष 2010 से चला आ रहा कानूनी विवाद अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने मनपा के पक्ष में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि इस क्षेत्र से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने का अधिकार केवल नवी मुंबई मनपा के पास ही है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर को भी स्पष्ट किया है। अदालत ने कहा कि 'टैक्स' और 'शुल्क' दोनों अलग-अलग चीजें हैं। स्थानीय निकाय होने के नाते टैक्स वसूलने का संप्रभु अधिकार केवल मनपा के पास है, जबकि एमआईडीसी केवल अपनी सेवाओं के बदले शुल्क वसूल सकती है। कोर्ट के इस स्पष्टीकरण के बाद लघु उद्यमियों के उस दावे पर भी विराम लग गया है, जिसमें कहा जा रहा था कि उन पर डबल टैक्स लगाया जा रहा है। अदालत ने महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम और एमआईडीसी एक्ट के प्रावधानों का हवाला देते हुए साफ किया कि यह पूरा क्षेत्र नवी मुंबई मनपा के अधिकार क्षेत्र में ही आता है।

इस ऐतिहासिक फैसले के बाद मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने सभी लघु उद्यमियों से अपील की है कि वे बिना किसी असमंजस के अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें और इस राजस्व के माध्यम से शहर के विकास कार्यों को नई गति देने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

पनवेल ट्रैफिक पुलिस के लिए शेल्टर होम बनाएगा पनवेल महानगर प्रेस क्लब

पनवेल(नि.स)। दिन-रात धूप, धूल और बारिश के बीच सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। पनवेल महानगर प्रेस क्लब ने न्यू पनवेल के एचडीएफसी चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए एक शेल्टर होम (निवारा केंद्र) उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया है। प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रशांत शेडगे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में पनवेल ट्रैफिक शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक औदुंबर पाटील से मुलाकात कर वहां की स्थिति की समीक्षा की। प्रशांत शेडगे ने पुलिस प्रशासन को आश्वासन दिया कि प्रेस क्लब के माध्यम से जल्द से जल्द यह शेल्टर होम तैयार कर ट्रैफिक पुलिस को सौंप दिया जाएगा। इस सराहनीय पहल का उद्देश्य लगातार शोर और प्रदूषण के बीच ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक थकान से कुछ राहत प्रदान करना है। इस बैठक के दौरान वरिष्ठ पत्रकार संजय कदम, महासचिव राकेश पितले, कोषाध्यक्ष सचिन भोले सहित कई पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

नांदेड में सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे के काफिले की चार गाड़ियां आपस में टकराईं, बड़ा हादसा टला

नांदेड(नि.स)। नांदेड शहर में सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे के काफिले की चार गाड़ियां आपस में टकरा गईं। यह हादसा शहर के साठे चौक इलाके में उस समय हुआ जब श्रीकांत शिंदे का काफिला नांदेड से नायगांव की ओर जा रहा था। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ, हालांकि काफिले की कई गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सांसद श्रीकांत शिंदे "शिव संवाद दौरे" के तहत नायगांव में आयोजित पार्टी की समीक्षा बैठक में शामिल होने जा रहे थे। गुरुवार सुबह उनका काफिला नांदेड शहर से रवाना हुआ था। साठे चौक पहुंचने पर काफिले की एक गाड़ी के सामने अचानक एक व्यक्ति आ गया, जिससे चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। आगे चल रही गाड़ी के अचानक रुकने के कारण पीछे आ रही तीन अन्य गाड़ियां एक-दूसरे से टकरा गईं। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में काफिले की चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। बताया जा रहा है कि इन वाहनों में श्रीकांत शिंदे के कुछ कार्यकर्ता और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी मौजूद थे। हालांकि सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इससे पहले जालना दौरे के दौरान सांसद श्रीकांत शिंदे ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में गठबंधन होगा या नहीं, इस चर्चा में समय बर्बाद न करें, बल्कि सभी कार्यकर्ता हर सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी करें। उन्होंने यह भी कहा कि केवल मंत्री, विधायक या सांसद न होने की शिकायत करने के बजाय जनता के मुद्दों को हल करने के लिए गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। फिलहाल पुलिस और प्रशासन ने घटना की जानकारी लेकर स्थिति को सामान्य कर दिया है। प्रारंभिक जांच में यह हादसा अचानक ब्रेक लगने के कारण हुआ बताया जा रहा है।

होटल में रोटियों पर थूक लगाकर खाना बनाने का आरोप, मालिक और रसोइए पर एफआईआर दर्ज

मुंबई(नि.स)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव पूर्व स्थित एक होटल में अस्वच्छ तरीके से खाना बनाने के मामले में दिंडोशी पुलिस ने होटल मालिक और रसोइए के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, 48 वर्षीय एक व्यवसायी ने शिकायत दर्ज कराई कि 23 मई को उसने होटल में रोटियां बनाते समय रसोइए को उन पर थूकते हुए देखा। शिकायतकर्ता ने इस पूरी घटना का वीडियो भी अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में उसने यह वीडियो वहां मौजूद कुछ ग्राहकों को भी दिखाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को आपातकालीन नंबर '100' पर कॉल कर सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रसोइए को हिरासत में ले लिया। इसके बाद दिंडोशी पुलिस ने होटल के मालिक और रसोइए के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि होटल में लंबे समय से इस तरह की अस्वच्छ गतिविधियां चल रही थीं या नहीं।

सरकार ने बढ़ाई निर्माण लागत, आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी नई इमारतें

मुंबई में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से लिया गया एक महत्वपूर्ण फैसला अब राज्यभर के लाखों बच्चों और महिलाओं के लिए राहत और सुविधा लेकर आने वाला माना जा रहा है। प्रदेश सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों की इमारतों के निर्माण के लिए नई दरों और संशोधित टाइप प्लान को मंजूरी दे दी है। लगभग चार वर्षों के बाद निर्माण लागत में यह बड़ी बढ़ोतरी की गई है, जिसे राज्य में बाल विकास और पोषण सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। सरकार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार नई दरें वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर 2028-29 तक प्रभावी रहेंगी।

सरकार का कहना है कि बढ़ती निर्माण लागत, आधुनिक सुविधाओं की आवश्यकता और अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह संशोधन जरूरी हो गया था। लंबे समय से यह मांग उठ रही थी कि पुराने बजट में गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक आंगनवाड़ी भवन तैयार करना मुश्किल हो रहा है। कई क्षेत्रों में लागत बढ़ने के कारण परियोजनाएं अधूरी रह जाती थीं या निर्माण कार्य अपेक्षित स्तर का नहीं हो पाता था। ऐसे में सरकार ने निर्माण लागत में उल्लेखनीय वृद्धि कर नई योजनाओं को मंजूरी देने का फैसला किया। सबसे बड़ा बदलाव गैर आदिवासी और शहरी क्षेत्रों के लिए किया गया है। अब इन क्षेत्रों में प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए 18 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इससे पहले यह राशि 11 लाख 25 हजार रुपए थी। यानी सरकार ने एक केंद्र पर मिलने वाली राशि में कई लाख रुपए की बढ़ोतरी की है। अधिकारियों का मानना है कि नई दरों के लागू होने से शहरी क्षेत्रों में अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक सुविधाओं से युक्त आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण संभव हो सकेगा। सरकार ने आदिवासी और पहाड़ी क्षेत्रों की विशेष परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा है।

पुराने विवाद में निर्दोष व्यक्ति की हत्या मुख्य आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

मुंबई(नि.स)। मुंबई के पवई इलाके में दो दिन पहले हुई हत्या की गुत्थी सुलझाने में पवई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी दीपक उर्फ दिपू नथुप्रसाद वर्मा को गुजरात से गिरफ्तार कर लिया है। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने पुराने विवाद का बदला लेने के लिए हमला किया था, लेकिन उसने निर्दोष व्यक्ति की हत्या कर दी। घटना 25 मई की देर रात पवई के साकीविहार रोड स्थित टुंगा गांव इलाके में लोढा सुप्रिमस के आउट गेट के पास हुई थी। वहां एक व्यक्ति खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पवई पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि मृतक की छाती पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस कांस्टेबल विजय अरुण घाडगे की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि संदिग्ध आरोपी गुजरात भाग गया है। पुलिस आयुक्त देवेन भारती, सह पुलिस आयुक्त अनिल कुंभार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कृष्णकांत उपाध्याय और पुलिस उपायुक्त नवनीथ ढवले के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गुजरात भेजी गई। टीम ने सूरत के पुष्पकनगर इलाके में राजस्थान स्कूल के पास से दीपक वर्मा को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार दीपक मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और फिलहाल पवई के टुंगा गांव इलाके में रह रहा था। कुछ दिन पहले दोस्तों के साथ शराब पीने के दौरान उसका इलाके में रिक्शा खड़ा करने को लेकर एक रिक्शा चालक से विवाद हुआ था। उसी रंजिश में उसने रिक्शा चालक पर हमला करने की योजना बनाई थी। हालांकि घटना वाली रात मोहम्मद युसुफ उसी जगह सो रहा था। आरोपी ने उसे ही रिक्शा चालक समझकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युसुफ की इलाज के दौरान मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी मुंबई से भागकर गुजरात पहुंच गया था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच की मदद से पुलिस ने कुछ ही घंटों में उसका पता लगाकर गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पवई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कल्याण रेलवे स्टेशन पर अधिकृत फेरीवाले की पिटाई, अवैध फेरीवाले पर मामला दर्ज

कल्याण(नि.स)। कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में अधिकृत रूप से फेरी व्यवसाय करने वाले एक फेरीवाले के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक अवैध फेरीवाले ने पहले धमकी दी और फिर बेरहमी से हमला कर दिया। इस घटना के बाद रेलवे स्टेशन परिसर में अवैध फेरीवालों की बढ़ती दबंगई एक बार फिर चर्चा में आ गई है। घटना से यात्रियों और अधिकृत फेरीवालों में नाराजगी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शेषराव सीताराम नांगरे रेलवे प्रशासन से अधिकृत अनुमति लेकर एक्सप्रेस ट्रेनों में फेरी व्यवसाय करते हैं। 27 मई को वे रोज की तरह कल्याण से लोणावला रूट पर चलने वाली ट्रेनों में व्यवसाय करने के लिए कल्याण रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। दोपहर करीब 1.45 बजे वे मधुराई एक्सप्रेस का इंतजार करते हुए बड़े ब्रिज के पास खड़े थे। इसी दौरान गौरीशंकर दुबे नाम का एक व्यक्ति उनके पास आया। पीड़ित की शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने उन्हें धमकाते हुए कहा, "आप गाड़ी में मत आना, नहीं तो कर्जत में मारूंगा।" इसके बाद आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। शेषराव नांगरे ने उसे बताया कि वे रेलवे प्रशासन की वैध अनुमति और पहचान पत्र के साथ व्यवसाय कर रहे हैं। लेकिन इसी बात से नाराज होकर आरोपी गौरीशंकर दुबे ने उन पर हमला कर दिया और उनके सिर पर मुक्कों से मारपीट की। हमले में नांगरे के सिर पर हल्की चोट आई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में नांगरे तुरंत कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं, रेलवे स्टेशन परिसर में अवैध फेरीवालों की बढ़ती संख्या और यात्रियों को होने वाली परेशानी को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें सामने आ चुकी हैं। अधिकृत फेरीवालों का कहना है कि उन्हें लगातार धमकियों और दबाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने रेलवे प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि अवैध फेरीवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर स्टेशन परिसर में व्यवस्था बनाए रखी जाए।

टीबी मुक्त मुंबई अभियान में 'आरोग्य साथी फाउंडेशन' के निदेशक विशाल बोडके राज्यपाल के हाथों सम्मानित

भिवंडी(नि.स)। मुंबई, पालघर और ठाणे जिले के विभिन्न शहरों में स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन और चिकित्सा शिविर आयोजित कर मरीजों व आम नागरिकों को राहत देने वाले भिवंडी के आरोग्य साथी फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक विशाल प्रदीप बोडके को एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के हाथों उन्हें टीबी मुक्त मुंबई अभियान कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर गौरवान्वित किया गया। इस अभियान का शुभारंभ राज्यपाल द्वारा मुंबई के सायन हॉस्पिटल सभागार में किया गया।

सायन स्थित लोकमान्य तिलक महापालिका अस्पताल के सभागार में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के कर-कमलों द्वारा 'टीबी मुक्त मुंबई' अभियान का डिजिटल उद्घाटन और सूचना पुस्तिका का विमोचन किया गया। इसी गरिमामयी मंच पर मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में सार्वजनिक स्वास्थ्य और टीबी रोग उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए आरोग्य साथी फाउंडेशन के प्रमुख निदेशक विशाल प्रदीप बोडके को राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने युवाओं के योगदान को सराहते हुए कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक संस्थाएं और युवा पदाधिकारी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जो कि बेहद सराहनीय है। उन्होंने विशाल बोडके और उनकी पूरी टीम की पीठ थपथपाई और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुंबई की महापौर रितु तावड़े, उपमहापौर संजय घाड़ी, मनपा आयुक्त अश्विनी भिड़े सहित कई गणमान्य नगरसेवक, नागरिक, विशेषज्ञ डॉक्टर और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नवी मुंबई पुलिस का बड़ा एक्शन

ड्रग तस्कर राजन राठोड एक साल के लिए पुणे की येरवडा जेल में नजरबंद

नवी मुंबई(नि.स)। नवी मुंबई पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आदतन ड्रग तस्कर मुंबई के मानखुर्द निवासी राजन बाला राठोड को पिट एनडीपीएस कानून के तहत एक वर्ष के लिए पुणे की येरवडा जेल में स्थानबद्ध किया गया है।

राजन राठोड एक शातिर और कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ मुंबई और नवी मुंबई में ड्रग्स तस्करी के 4 तथा हत्या के प्रयास, मारपीट और डकैती जैसी गंभीर धाराओं के तहत 5 मामले दर्ज हैं। वह मुंबई से आकर नवी मुंबई में धड़ल्ले से ड्रग्स की बिक्री करता था। उसकी आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए गृह मंत्रालय, मुंबई को एक प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिलने के बाद यह कड़ा कदम उठाया गया।

पिट एनडीपीएस कानून के तहत नवी मुंबई पुलिस कमिश्नरेट द्वारा की गई यह पहली तथा पूरे महाराष्ट्र राज्य की दूसरी सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। इस उल्लेखनीय सफलता को सहायक पुलिस आयुक्त धर्मपाल बनसोडे के मार्गदर्शन में एंटी नार्कोटिक्स सेल के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप निगडे, देवेंद्र ओव्हाल, निलेश धुमाल, तुषार माने और उनकी टीम ने अंजाम दिया है। इस कार्रवाई के बाद ड्रग्स माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्री भीष्म शंकरलाल नागरानी, इस प्रापर्टी के खरीद का सौदा श्री हसमुख गोविंदबाई पटेल, प्रथम पक्ष के साथ किया है। अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 14 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

उक्त विक्रेता, उल्हासनगर-3 में डालडा डिपो के पीछे स्थित, यू.एन. 125 शीट नंबर 37 नामक कमरे के एकमात्र, पूर्ण, कानूनी और अनन्य स्वामी हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 167 वर्ग गज (अतिरिक्त) i.e. 2534 sq.fts UMC के अनुसार. , जिसका विक्रय विलेख उप-विभागीय अधिकारी कार्यालय, उल्हासनगर, उल्हासनगर द्वारा जारी किया गया है (संख्या)। एसडीओ/प्लॉट/सी-3/सीडीआर संख्या 12 दिनांक 26.11.1997 गज, सीटीएस संख्या 30314 और उल्हासनगर नगर निगम द्वारा पुराने खाता संख्या 27/1877 वार्ड 27 के तहत मूल्यांकित, संपत्ति संख्या सी-27BO004810000 जिसे इसके बाद ₹उक्त संपत्तिर कहा और संदर्भित किया गया है।

सही/-

एड. पिंकी बुधवानी

शॉप नं. 2, लासी हॉल के पास, हेमराज डेयरी रोड, उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281